ओमशांति

गुरुपूर्णिमा - २०१९

सर्वोदय बेंक्वेट हॉल - डोम्बिवली (पूर्व)

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा को डोंबिवली के प्रख्यात पीपी चेंबर्स हॉल में 2019 जुलाई 21 गुरू पूर्णिमा निमित्त प्रोग्राम आयोजित किया गया।

लगभग 400 बी.के. भाई बहने इस प्रोग्राम में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में मुख्य उपस्थिति थे आदरणीय राजयोगिनी ब्र. कु. नलिनी दीदीजी घाटकोपर -सबजोन के निर्देशका और साथ में उनके अंग संग रहेने वाली वरिष्ठ राजयोगा टीचर ब्र. कु. विष्णु बहन।

प्रोग्राम की शुरुआत योग और अव्यक्त मुरली से हुई

डॉ. निखिल द्वारा गुरु सम्बंधित एक सुंदर गीत "चम् चम् चमके ये जीवन" पर सभी भाई बहेनो ने आ. नलिनी दीदीजी (घाटकोपर सबजोन की निर्देशिका), विष्णु बेन और शकू दीदीजी (निर्देशिका डोम्बिवली सेंटर) का वंदन करते हुए और बहेनो ने आरती के द्वारा स्वागत किया, जिससे पूरा वातावरण रोमांचक हो गया.

स्टेज सेक्रेटरी बी. के. सरिता ने शायरी के साथ दीदीजी एवं सभी का सुन्दर ढंग से स्वागत किया.

बी. के. लक्ष्मी बहेन ने तिलक द्वारा स्वागत किया

बी.के. केशव भाई, बी.के. दिवाकर भाई, और बी.के. अनिल जोशी, जन गन मन स्कूल के प्रिंसिपल राजकुमार कोल्हे जी और वन्दे मातरम स्कूल की प्रिंसिपल प्रेरणा मैडम, और डोम्बिवली के प्रसिद्द एडवोकेट भ्राता तरटे जी ने दीदीजी का पुष्प गुच्छ और शाल से स्वागत किया ...

शिवशक्ति बहनों ने ओमकार स्वरूपा पर एक सुंदर स्वागत नृत्य किया

लोकिक छोटे भाई और बहन ने मिलकर गुरु पर सुंदर शब्दों के साथ एक सुंदर नृत्य कर दीदीजी को प्रभावित किया.

कुमार प्रसाद और प्रीतेश और कुमारी प्रीति, शीतल, हर्षा और प्रमिला ने गुरु का महत्व बहुत ही सुंदर गीत द्वारा प्रस्तुत किया.

कुमारियों ने विभिन्न प्रकार के असली फूलों के साथ संबंधित फूलों के प्रोडक्ट के साथ और सभी कुमारो ने सुंदर सजावटी कृत्रिम फूलों द्वारा स्वागत किया.

बी. के. केशवभाई, दिवाकर भाई, राजकुमार भाई, गीता बहेन ने दीदीजी के साथ के अपने अनुभव सभी के आगे प्रस्तुत किये. जसुमति बेन जो ५५ साल से ज्ञान में चल रहे है उन्होंने भी मम्मा और बाबा के समय के अपने अनुभव को सभी के साथ प्रस्तुत किया.

डोंबिवली शाखा के निर्देशिका शकू दीदीजी ने एक सुंदर स्वागत बोल से और नालिनी दीदीजी के प्रति अपना सम्मान और प्यार दिखाया और कहा कि हमारा भाग्य है कि दीदीजी हमसे मिलने आते हैं।

आदरणीय राजयोगिनी नलिनी दीदीजी ने शरीर और आत्मा के साथ अपने सम्बन्ध को व्यावहारिक उदाहरणों के साथ समझाते हुए मधुर और पावरफुल वाणी द्वारा सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया. साथ में मातोकी महिमा के साथ गुरु माता, गुरु भाई का महत्व भी बताया एवं स्वार्थ शब्द का सही अर्थ को समझते हुए अपने जीवन को निर्मल स्वच्छ सुगन्धित बनाने की प्रेरणा दि. आत्मा का अर्थ कर्म करते हुए परमात्मा के वरदान का पात्र बनने का मार्गदर्शन प्रदान किया. एवं सभी में उमंग उत्साह भरते हुए यज्ञ की जवाबदारी निभाने का महत्व समझाया.

तत्पश्चात डॉ. प्रियंका आर. भोईर (पाटील) (एमडी) (उनके पिताजी), डॉ. रसिका म्हात्रे (एमडी) और डॉ. रवीना म्हात्रे (डेंटिस्ट), माजी नगरसेवक और डोम्बिवली के प्रतिष्ठित व्यक्ति भ्राता रवि पाटिल जी का भी दीदीजी ने शाल, मोमेंटो, पुष्पगुच्छ, और टोली देकर सन्मानित किया.

तत्पश्चात बापदादा को भोग लगाकर सभी को दीदीजी की वरदानी दृष्टी देते हुए भोग वितरित किया गया. ऐसे मनमोहक रुप से बापदादा और दीदीजी के साथ सद्भाव आदर से गुरु पूर्णिमा को सादर किया गया.

ओमशांति